

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 90

सामान्य निर्देश :

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं-क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

खंड - क

- प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1 x 5 = 5

मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है। समाचार-पत्रों में ठगी, डकैती, चोरी और भ्रष्टाचार के समाचार भरे रहते हैं। ऐसा लगता है देश में कोई ईमानदार आदमी रह ही नहीं गया है। हर व्यक्ति संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। इस समय सुखी वही है, जो कुछ नहीं करता; जो भी कुछ करेगा, उसमें दोष खोजने लगेंगे। उसके सारे गुण भुला दिये जायेंगे और दोषों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाने लगेगा। दोष किसमें नहीं होते? यही कारण है कि हर आदमी दोषी अधिक दिख रहा है, गुणी कम या बिल्कुल ही नहीं। यह चिन्ता का विषय है।

तिलक और गांधी के सपनों का भारतवर्ष क्या यही है ? विवेकानन्द और रामतीर्थ का आध्यात्मिक ऊँचाई वाला भारतवर्ष कहाँ है रवीन्द्रनाथ ठाकुर और मदनमोहन मालवीय का महान, सुसंस्कृत और सभ्य भारतवर्ष पतन के किस गहन गर्त में जा गिरा है ? आर्य और द्रविड, हिन्दू और आध्यात्मिक, यूरोपीय और भारतीय आदर्शों की मिलनभूमि 'महामानव समुद्र' क्या सूख ही गया है ?

यह सही है कि इन दिनों कुछ ऐसा माहौल बना है कि ईमानदारी से मेहनत करके जीविका चलाने वाले निरीह श्रमजीवी पिस रहे हैं और झूठ और फरेब का रोजगार करने वाले फल-फूल हरे हैं । ईमानदारी को मुखता का पर्याय समझा जाने लगा है, सच्चाई केवल भीरु और बेबस लोगों के हिस्से पड़ी है। ऐसी स्थिति में जीवन के मूल्यों के बारे में लोगों की आस्था ही हिलने लगी है। किन्तु ऐसी दशा से हमारा उद्धार जीवन- मूल्यों में आस्था रखने से ही होगा। ऐसी स्थिति में हताश हो जाना ठीक नहीं है ।

1. मेरा मन कभी-कभी बैठ जाता है वाक्य का आशय है-

(क) लेखक के मन में पछतावा होता है

(ख) लेखक का मन दुखी हो जाता है

(ग) लेखक को अपराध भाव की अनुभूति होती है।

(घ) लेखक का हृदय देश की दुर्दशा से चिन्तित हो उठता है।

2. कौनसी स्थिति चिन्ता का विषय है -

(क) व्यक्ति के गुणों की उपेक्षा और दोषों पर अधिक ध्यान

(ख) व्यक्ति का कर्मशीलता के प्रति उपेक्षा का भाव

(ग) व्यक्ति की ईमानदारी की उपेक्षा

(घ) निठल्ले लोगों की सुखमयता

3. महामानव समुद्र क्या /सूख ही गया का अभिप्राय है-

- (क) विशाल सागर जलहीन हो गया
- (ख) समुद्र का विस्तार सीमीत हो गया
- (ग) आदर्शों का समन्वय और सदभाव लुप्त हो गया
- (घ) भारत का जलनिधी रत्नहीन हो गया

4. इस उथल-पुथल में देशवासियों के लिए संदेश है-

- (क) ईमानदारी और मेहनत से जीविका चलाना
- (ख) झूठ और फरेब से नफरत करना
- (ग) जीवन-मूल्यों के आस्था रखना
- (घ) देश की समृद्धि के लिए कार्य करना

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है -

- (क) समाज में व्याप्त अनैतिकता
- (ख) महान महर्षियों का देश भारत
- (ग) जीवन-मूल्यों में आस्था
- (घ) निराशाजनक स्थिति और हमारा देश

प्र.2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए -

1 x 5 = 5

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्व नहीं दिया। उसकी दृष्टि में मनुष्य के भतर जो आन्तरिक तत्त्व स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन और बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना, बहुत निकृष्ट आचरण है। भारतवर्ष ने उन्हें सदा संयम के बन्धन से बाँधकर रखने का प्रयत्न किया है।

इस देश के कोटि-कोटि दरिद्र जनों की हीन अवस्था को सुधारने के लिए अनेक कायदे-कानून बनाए गए। जिन लोगों को इन्हें कार्यानिवत करने का काम सौंपा गया वे अपने कर्तव्यों को भूलकर अपनी सुख-सुविधा की ओर ज्यादा ध्यान देने लगे। वे लक्ष्य की बात भूल गए और लोभ, मोह जैसे विकारों में फँसकर रह गए। आदर्श उनके लिए मजाक का विषय बन गया और संयम को दकियानूसी मान लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है-लोग लोभ और मोह में पड़कर अनर्थ कर रहे हैं, इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रूप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे हैं। अब भी आशा की ज्योति बुझी नहीं है। महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है, बनी रहेगी।

1. लेखक के मतानुसार निकृष्ट आचरण का स्वरूप है-

- (क) व्यक्ति का दुश्चरित्र होना और आदर्शों से पतन
- (ख) स्वार्थ हेतु दूसरों के कार्यों में बाधा
- (ग) मन और बुद्धि पर लोभ-मोह आदि का नियंत्रण
- (घ) कानून के उल्लंघन द्वारा सामाजिक अव्यवस्था

2. लोभ-मोह आदि विकारों के नियंत्रण का साधन है-

(क) धर्म

(ख) कानून

(ग) संयम

(घ) सत्संगति

3. करोड़ों गरीबों की दशा सुधारने के प्रयास सफल नहीं हुए क्योंकि लागू करने वाले-

(क) स्वार्थवश अपना कर्तव्य भूल गए

(ख) काम पूरा न कर सके

(ग) सफलता के प्रति शंकालु हो गए

(घ) पर्याप्त धन न होने से असफल हो गए

4. आदर्श एवं संयम को दकियानूसी मानने का दुष्परिणाम है-

(क) देश में फैली अराजकता

(ख) समाज में व्याप्त नैतिकता

(ग) लोभ और मोह से हो रहे अनर्थ

(घ) भ्रष्ट साधनों से अर्जित धन

5. 'दकियानूसी' का पर्यायवाची है-

(क) भाग्यवादी

(ख) रूढ़िवादी

(ग) साम्यवादी

(घ) विस्तारवादी

प्र. 3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

$$1 \times 5 = 5$$

बिन बैसाखी अपनी शर्तों पर, मैं मदमस्त चला ॥

सब्जबाग को दिखा-दिखा

दुनिया रह-रह मुसकाई ।

कंचन और कामिनी ने भी

अपनी छटा दिखाई ।

सतरंगे जग के साँच में, मैं न कभी ढला ॥

चिनगारी पर चलते-चलते

रुका-झुका ना पल-छिन ।

गिरे हुआँ को रहा उठाता

गले लगाता अनुदिन।

हालाहल पीते-पीते ही मैंजीवन-भर चला

कितने बढे-चढे द्रुत चलकर

शैलशिखर श्रृंगों पर ।

कितने अपनी लाश लिए

फिरते अपने कंधों पर ।

सबकी अपनी अलग नियति है, है जीने की कला ॥

आँधी से जूझा करना ही

बस आता है मुझको ।

पीडाओं के संग-संग जीना

भाता है बस मुझको ।

में तटस्थ, जो भी जग समझे कह ले बुरा-भला ॥

1. सतरंगी संसार कवि को मोहित न कर सका, क्योंकि-

- (क) सांसारिकता के प्रति उसका लगाव नहीं है
- (ख) मोहकता उसको मोहने में समर्थ नहीं है
- (ग) वह सांसारिक मोह को तुच्छ समझता है
- (घ) उसको केवल अपने सिद्धान्तों से ही प्यार है

2. कवि को जीवन में क्या रास नहीं आया

- (क) कष्टों से भरे मार्ग पर चलना
- (ख) दीनों-दलितों का उद्धार करना
- (ग) जीवन के सुखमय क्षणों को भोगना
- (घ) आजीवन वेदनाओं के विष का पान करना

3. कवि का विश्वास है कि हरेक का भाग्य अलग-अलग होती है, इसीलिए संसार में-

- (क) कोई धनिक है तो कोई धनहीन
- (ख) कोई उन्नति करता है तो कोई निराश जीवन जीता है
- (ग) कोई जीवन में सुख भोगता है तो कोई दुख
- (घ) कोई सम्पन्न होकर भी सुखों से वंचित रहता है

4. कवि ने जीवन बिताया है-

- (क) कष्टों से जुड़कर और पीडाओं को चूमकर
- (ख) दुखियों के दुख दूर कर और निराश्रितों को आश्रय देकर
- (ग) डूबते को बचाकर और भूखों को भोजन देकर
- (घ) क्रान्ति का बिगुल बजाकर और मातृभूमि को जीवन देकर

5. कितने बड़े-चड़े द्रुत चलकर शैल-शिखर श्रृंगों पर अलंकार है -

- (क) उपमा
- (ख) अनुप्रास
- (ग) रूपक
- (घ) यमक

प्र. 4. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर के लिए
उचित विकल्प चुनकर लिखिए : 1 x 5 = 5

जब कभी मच्छेरे को फेंका हुआ
फैला जाल
समेटते हुए देखता हूँ
तो अपना सिमटता हुआ
स्व याद हो आता है -
जो कभी समाज, गाँव और
परिवार के वृहत्तर परिधि में
समाहित था
सर्व की परिभाषा बनकर,
और अब केन्द्रीत हो
गया हूँ मात्र बिन्दु में।
जब कभी अनेक फूलों पर,
बैठी, पराग को समेटती
मधुमक्खियों को देखता हूँ
तो मुझे अपने पूर्वजों की
याद हो आती है,
जो कभी फूलों को रंग, जाति, वर्ग
अथवा कबीलों में नहीं बाँटते थे
और समझते रहे थे कि
देश एक बाग है

और मधु-मनुष्यता

जिससे जीने की अपेक्षा होती है ।

किन्तु अब

बाग और मनुष्यता

शिलालेखों में जकड़ गई है

मात्र संग्रहालय की जड़ वस्तुएँ ।

1. कविता में 'स्व' शब्द का आशय है-

(क) धन, संपत्ति, दौलत

(ख) अपना, अपनापन, लगाव

(ग) कल्याण, हितभावना, भलाई

(घ) प्रशासन, शासन, अनुशासन

2. किसी समय में कवि की 'स्व' की सीमा थी-

(क) अपने माता-पिता तक

(ख) अपनी पत्नी और बच्चों तक

(ग) पूरे समाज और गाँव तक

(घ) केवल घनिष्ठ मित्रों तक

3. पुराने समय में कवि के पूर्वज विश्वास करते थे-

(क) रंग के आधार पर देशवासियों के विभाजन में

(ख) जाति के आधार पर देशवासियों के वर्गीकरण में

(ग) भाषा एवं धर्म के आधार पर देश के बँटवारे में

(घ) भिन्न वर्गों एवं जातियों की एकता में

4. देश को एक बाग माना गया है क्योंकि यहाँ विविध प्रकार के -

(क) फूल होते हैं

(ख) तितलियाँ होती हैं

(ग) मनुष्यता का स्वरूप संकीर्ण हो गया है

(घ) भिन्न वर्गों एवं जातियों की एकता में

5. काव्यांश का संदेश है-

- (क) मनुष्यता की परिभाषा बदल गई है
- (ख) मनुष्यता संगठन में नहीं विघटन में देखी जाती है
- (ग) मनुष्यता का स्वरूप संकीर्ण हो गया है
- (घ) मनुष्यता संगठन में नहीं विघटन में देखी जाती है

खंड - 'ख'

प्र. 5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : 1 x 5 = 5

(क) लखनऊ स्टेशन से गाड़ी छूट रही थी ।

उत्तर :

(ख) खीरे की पनियाती फाँकें बहुत स्वादिष्ट थीं ।

उत्तर :

(ग) तुम्हें भागवत ध्यान से पढ़नी चाहिए ।

उत्तर :

(घ) बिसिमल्ला खाँ इस मंगलध्वनि के नायक थे ।

उत्तर :

(ङ) अरे, तुम भी आ गए !

उत्तर :

प्र. 6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1 x 5 = 5

(क) मैंने सुना है कि तुम अपनी कक्षा में प्रथम आए हो- वाक्य का प्रकार बताइए।

उत्तर :

(ख) वह स्टेशन पहुँचा और हम वहाँ से चल दिए-यह किस प्रकार का वाक्य है ?

उत्तर :

(ग) उन्होंने जैसे ही शहनाई बजानी शुरू की, सब उसकी ध्वनि में मग्न हो गए-संयुक्त वाक्य में बदलिये।

उत्तर :

(घ) मेरे पास एक किताब है जो बहुत रुचिकर है-सरल वाक्य में बदलिये।

उत्तर :

(ङ) वह बहुत विनम्र है और सर्वत्र सम्मान प्राप्त करती है-मिश्र वाक्य में रूपान्तरित कीजिए।

उत्तर :

प्र. 7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1 x 5 = 5

(क) मालिक झोली से सुर का फल निकालकर मेरी ओर उछालेगा-कर्मवाच्य में बदलिये।

उत्तर :

(ख) घायल होने के कारण वह उड़ नहीं पाया- भाववाच्य में बदलिये।

उत्तर :

(ग) मोहिनी क्षण भर के लिए भी शान्त नहीं बैठती है- भाववाच्य में बदललिए।

उत्तर :

(घ) श्रद्धालु काशीवासियों द्वारा इस सभा का आयोजन किया जाता है- कर्तृवाच्य में बदललिए।

उत्तर :

(ङ) उन्होंने दोनों भाइयों को पढ़ाया-कर्मवाच्य में बदललिए।

उत्तर :

प्र. 8. निम्नांकित काव्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों के नामों का उल्लेख कीजिए:

1 x 5 = 5

(क) क्यों सहे संसार हाहाकार।

उत्तर :

(ख) आँख लगती है तब आँख लगती ही नहीं।

उत्तर :

(ग) नील गगन-सा शान्त हृदय था हरे रहा।

उत्तर :

(घ) नीरजनयन भावते जी के।

उत्तर :

(ङ) देखा यमुना का मृदुल हास।

उत्तर :

प्र.9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

1 x 5 = 5

उस समय तक हमारे परिवार में लड़की के विवाह के लिए अनिवार्य योग्यता थी-उम्र में सोलह वर्ष और शिक्षा में मैट्रिक। सन 44 में सुशीला ने यह योग्यता प्राप्त की और शादी कर कोलकाता चली गई। दोनों बड़ेभाई भी आगे पढाई के लिए बाहर चले गए। इन लोगों की छत्र-छाया के हटते ही पहली बार मुझे नए सिरे से अपने वजूद का एहसास हुआ। पिताजी का ध्यान भी पहली बार मुझ पर केन्द्रित हुआ। लड़कियों को जिस उम्र में स्कूली शिक्षा के साथ-साथ सुघड गृहिणी और कुशल पाक-शास्त्री बनने के नुस्खे जुटाए जाते थे, पिताजी का आग्रह रहता था कि मैं रसोई से दूर ही रहूँ। रसोई को वे भटियारखाना कहते थे और उनके हिसाब से वहाँ रहना अपनी क्षमता और प्रतिभा को भट्टी में झोंकना था।

1. लड़की की वैवाहिक योग्यता से सिद्ध होती है, उस परिवार की :

- (क) स्वतंत्र विचारधारा
- (ख) परम्परावादी मान्यता
- (ग) पाश्चात्य विचारधारा
- (घ) अत्याधुनिक सोच

2. बड़े -भाई के परिवार से जाने के बाद :

- (क) परिवार में लेखिका का महत्व बढ़ गया
- (ख) माता-पिता से अधिक प्यार मिलने लगा
- (ग) लेखिका को अपने अस्तित्व का बोध हुआ
- (घ) लेखिका को पाक-शास्त्र पढ़ाया जाने लगा

3. लेखिका के पाक-शास्त्री बनने के विषय में पिताजी का मानना था:
- (क) पाकक्रिया की कुशलता से लड़की सुघड गृहिणी बनती है
 - (ख) विवाह के उपरान्त ससुराल में उसकी सराहना होजी है
 - (ग) उसका गृहस्थ सदा सुखी और स्वस्थ रहता है
 - (घ) रसोई के काम से लड़की की योग्यता और प्रतिमा कुंद हो जाती है
4. पिताजी का आग्रह था कि मैं रसोई से दूर ही रहूँ- वाक्य प्रकार है:
- (क) सरल
 - (ख) संयुक्त
 - (ग) मिश्र
 - (घ) साधारण
5. इन लोगों की छत्रछाया हटते ही कथन में इन लोगों से तात्पर्य है :
- (क) क्षमता और प्रतिभा
 - (ख) भाई-बहिन
 - (ग) माता-पिता
 - (घ) सखी-सहेली

अथवा

मसलन बिसिमल्ला खाँ की उम्र अभी 14 साल है! वही काशी है! वही पुराना बालाजी का मंदिर जहाँ बिस्मिला खाँ को नौबतखाने रियाज के लिए जाना पड़ता है! मगर एक रास्ता है बालाजी मंदिर तक जाने का! यह रास्ता रसूलनबाई और बतूलनबाई के यहाँ से होकर जाता है! इस रास्ते से अमीरुद्दीन को जाना अच्छा लगता है! इस रास्ते न जाने कितने तरह के बोल-बनाव, कभी ठुमरी, कभी टप्पे, कभी दादरा के मार्फत डयोढी तक पहुँचते रहते हैं! रसूलन और बतूलन जब गाती हैं तब अमीरुद्दीन को खुशी मिलती है! अपने ढेरों साक्षात्कारों में बिस्मिला खाँ साहब ने स्वीकार किया है कि उन्हें अपने जीवन के आरम्भिक दिनों में संगीत के प्रति आसक्ति इन्हीं गायिका बहिनों को सुनकर मिली है! एक प्रकार से उनकी अबोध उम्र में

अनुभव की स्लेट पर संगीत प्रेरणा की वर्णमाला रसूलनबाई और बतूलनगाई ने उकेरी है!

1. बिस्मिला खाँ का मूल नाम है-

- (क) सादिक हुसैन
- (ख) शम्सुद्दीन
- (ग) अमीरुद्दीन
- (घ) अलीबख्श

2. बिस्मिल्ला खाँ को बालाजी मंदिर जाने के लिए एक खास रास्ता ही क्यों पसंद था ?

- (क) वह रास्ता छोटा था
- (ख) उस रास्ते पर उनके मित्रों के घर थे
- (ग) उस रास्ते पर दो बहिनों का गायन सुनने को मिलता था
- (घ) उन्हें ठुमरी, टप्पा, दादरा पसंद था!

3. कैसे कहा जा सकता है कि उन्हें संगीत की प्रेरणा इन दोनों बहिनों से मिली ?

- (क) इनका गायन बहुत उत्कृष्ट था
- (ख) यह गायन प्रायः उन्हें सुनने को मिलता था
- (ग) इस गायन के प्रति आसक्ति को उन्होंने स्वीकार किया है
- (घ) इस गायन में एक विशेष मोहकता थी!

4. संगीत का रूप नहीं है-

- (क) शहनाई
- (ख) टप्पा
- (ग) ठुमरी
- (घ) दादरा

5. 'रसूलन और बतूलन जब गाती हैं तब अमीरुददीन को खुशी मिलती है'-
वाक्य का प्रकार है -
- (क) सरल
 - (ख) संयुक्त
 - (ग) मिश्र
 - (घ) साधारण

प्र. 10. स्त्री शिक्षा के विषय में आप महावीर प्रसाद द्विवेदी के विचारों से कहाँ तक सहमत हैं ? उचित तर्क देकर अपने विचारों की पुष्टि कीजिए : 4

उत्तर :

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2 x 3 = 6

(क) आप कैसे कह सकते हैं कि बिसिमल्ला खाँ एक सच्चे और अच्छे इन्सान थे ?

उत्तर :

(ख) आग के आविष्कार के पीछे मानव की कौन-सी प्रेरणा रही होगी अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

(ग) देश की आजादी के संघर्ष में मन्नू भण्डारी की सक्रिय भागीदारी को लेकर पिताजी के साथ उनके टकराव की स्थिति को अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

प्र. 12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 x 5 = 5

बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड जानहि मोही॥
बाल ब्रह्मचारी आति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रिय कुल द्रोही॥
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महि देवन्ह दीन्ही॥
सहसबाहु भुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा॥

(क) काव्यांश में किसका किसके प्रति संबोधन है

उत्तर :

(ख) परशुराम की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर :

(ग) 'परशु' की क्या विशेषता थी लिखिए

उत्तर :

(घ) अलंकार बताइए-भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्हीं

उत्तर :

(ड) आशय स्पष्ट कीजिए 'केवल मुनि जड जानाहि मोही।'

उत्तर :

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

(क) माँ बिटिया को किस अवसर पर यह सीख दे रही है और क्यों ?

उत्तर :

(ख) बिटिया को चेहरे पर रीझने के लिए मना क्यों किया जा रहा है ?

उत्तर :

(ग) आग के विषय में माँ के कथन का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर :

(घ) माँ ने आभूषणों को स्त्री जीवन के बंधन क्यों कहा है ?

उत्तर :

(ङ) लड़की जैसी दिखाई मत देना कथन का आशय समझाइए।

उत्तर :

प्र.13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2 x 5 = 10

(क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर श्रीराम के स्वभाव की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर :

(ख) 'छाया मत छूना' कविता में दुख के क्या कारण बताए गए हैं ?

उत्तर :

(ग) 'कन्यादान' कविता में माँ ने बेटी को अंतिम पूँजी क्यों कहा है ?

उत्तर :

(घ) 'संगतकार' कविता में संगतकार की मनुष्यता को कवि ने कैसे स्पष्ट किया है ?

उत्तर :

(ड) दिखावा प्रधान आधुनिक समाज में क्या संगतकार जैसे व्यक्ति की कोई उपयोगिता है इस विषय में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर :

प्र. 14. साना साना हाथ जोडि पाठ में देश की सीमा पर तैनात फौजियों की चर्चा की गई है। लिखिए कि अपने उत्तरदायित्व के निर्वाह में सैनिक ईमानदारी, समर्पण, अनुशासन आदि जीवनमूल्यों का निर्वाह किस प्रकार करते हैं ?

4

उत्तर :

प्र.15. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए: $2 \times 3 = 6$

(क) मैं क्यों लिखता हूँ के लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ?

उत्तर :

(ख) साना साना हाथ जोडि पाठ में प्रदूषण के कारण स्नोफाल की कमी का जिक्र है। प्रदूषण को नियंत्रित करने के किन्हीं दो उपायों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर :

(ग) भारत के स्वाधीनता आन्दोलन में दुलारी और टन्नू ने अपना योगदान किस प्रकार किया ?

उत्तर :

(घ) साना साना हाथ जोडि यात्रा वृत्तान्त में वर्णित ऐसी घटना का उल्लेख कीजिए जिसने आपको बहुत प्रभावित किया हो।

उत्तर :

प्र. 16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए :

5

(ક) અવિસ્મરણીય ઘટના

- कब और कहाँ
- आपकी भूमिका
- आप पर प्रभाव

[illegible]

(ख) मेरे सपनों का जीवन

- महत्त्वाकांक्षा
- रुचि का महत्त्व
- लक्ष्य निर्धारण

[illegible]

प्र. 17. विदेश यात्रा में सभी प्रकार की व्यवस्था करने वाले मित्र के प्रति आभार की अभिव्यक्ति करते हुए एक पत्र लिखिए:

5

अथवा

विद्यालय में दसवीं कक्षा की परीक्षा से पूर्व विभिन्न विषयों की अच्छी व्यवस्था करने के लिए प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का एक पत्र लिखिए।

Set -II

निम्न प्रश्नों के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्न Set-I में पूछे गए हैं!

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए : $1 \times 5 = 5$

(क) धन की लालसा उसे परेशान कर रही है ।

उत्तर :

(ख) मैं जब वहाँ पहुँचा तो वर्षा हो रही थी ।

उत्तर :

(ग) उसके अनेक मित्र वहाँ उपस्थित थे ।

उत्तर :

(घ) अहा! आज तो बढ़िया खाना मिलेगा ।

उत्तर :

(ङ) मैं जयपुर सवेरे पहुँचूँगा ।

उत्तर :

प्र.6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

$1 \times 5 = 5$

(क) मैं आपको फोन करूँगा या पत्र लिखूँ- वाक्य का प्रकार बताइए ।

उत्तर :

(ख) वह सवेरे उठते ही नहा -धोकर मन्दिर चला जाता है- मिश्र वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ग) वह कार तेजी से आकर खंभे से टकरा गई- संयुक्त वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(घ) वह बहुत प्रतिभाशाली है और पुरस्कार प्राप्त करके ही रहेगा-मिश्र वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ङ) मेरे पास एक तरीका है जो आपकी समस्या का समाधान कर सकती है- सरल वाक्य में रूपान्तरित कीजिए ।

उत्तर :

प्र.7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:

1 x 5 = 5

(क) वे बनाया हुआ रिश्ता तोड़ते नहीं थे- कर्म वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ख) वह रो भी तो नहीं सकता है- भाव वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ग) मेरे द्वारा बचपन में ही घोषित कर दिया गया था- कर्तृवाक्य में बदलिए । उत्तर :

(घ) नवाब साहब ने बहुत यत्न से खीरा काटा-कर्म वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ङ) चोट के कारण वह बेचारा उठ भी नहीं सकता-भाव वाक्य बनाइए ।

उत्तर :

प्र.8. निम्नंकित काव्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों को पहचान कर लिखिए : 1x5= 5

(क) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही थीं जल-थल में ।

उत्तर :

(ख) बापू को कर नित दूर-दूर, हर बरस दिन आता है ।

उत्तर :

(ग) निकल रही थी मर्म वेदना, करुणा विकल कहानी-सी ।

उत्तर :

(घ) ऊँचा होता ताड का वृक्ष, मानो छूने अंबरतल को ।

उत्तर :

(ङ) उसके बिखरे वैभव पर जब रोती थी उजियाली ।

उत्तर :

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2 x 3 = 6

(क) मन्नू भण्डारी के पिता के व्यक्तित्व में संवेदनशीलता भी थी और अहंवादिता भी-उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

उत्तर :

(ख) महावीर प्रसाद द्विवेदी के निबन्ध में उद्धृत भारत की सुशिक्षित स्त्रियों में से किन्हीं तीन के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर :

(ग) कैसे कहा जा सकता है कि बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे।

उत्तर :

Set – III

निम्न प्रश्नों के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्न Set-I तथा Set-II में पूछे गए हैं।

प्र.5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए: $1 \times 5 = 5$

(क) हम उस कस्बे से गुजरे थे।

उत्तर :

(ख) वसन्त ऋतु सुहावनी होती है ।

उत्तर :

(ग) शहर पूरी तरह डूब गया है ।

उत्तर :

(घ) पानवाला खुशमिजाज आदमी था ।

उत्तर :

(ङ) तुम सदा समय का सदुपयोग करते हो।

उत्तर :

प्र.6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1 x 5 = 5

(क) वह इस दौड़ में सफल नहीं होगा क्योंकि वह आलसी है - वाक्य का प्रकार बताइए ।

उत्तर :

(ख) तुम उस बाजार में जाना जहाँ पुस्तकें मिलती हैं - वाक्य का प्रकार लिखिए ।

उत्तर :

(ग) जो छात्र अनुशासित होते हैं वे सब अध्यापकों के प्रिय होते हैं - सरल वाक्य में रुपान्तरण कीजिए ।

उत्तर :

(घ) बेईमानी के पैसे से व्यक्ति में दुर्गण पैदा हो ही जाते हैं - मिश्र वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ङ) नौकरानी आई। अपना काम किया । वह चली गई - संयुक्त वाक्य में बदलिए ।

उत्तर :

प्र.7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

1 x 5 = 5

(क) पान वाले ने यह रहस्य बता दिया - कर्मवाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ख) यह कौम बिकने के मौके ढूँढती है - कर्मवाच्य में बदलकर लिखिए ।

उत्तर :

(ग) आइए उस बेंच पर बैठें - भाववाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

(घ) उनसे संस्कृत नहीं बोली जाती थी - कर्मवाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

(ङ) तुम सारी रात कैसे जागोगे? - भाववाच्य में बदलिए ।

उत्तर :

प्र.8. निम्नांकित काव्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों को पहचानकर लिखिए : 1 x 5 = 5

(क) यवन को दिया दया का दान ।

उत्तर :

(ख) निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है ।

उत्तर :

(ग) जेते तुम तारे तेते नभ में न तारे हैं ।

उत्तर :

(घ) मैया मैं तो चन्द्र खिलौना लैहों ।

उत्तर :

(ड) देखूँ उसे मैं नित बार-बार, मानो मिला मित्र मुझे पुराना ।

उत्तर :

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

2 x 3 = 6

(क) मन्नू भण्डारी के जीवन में शीला अग्रवाल के योगदान पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर :

(ख) संस्कृति पाठ के लेखक की दृष्टि में भूखे को भोजन देने वाले, श्रमिकों और पीड़ित मानवता के उद्धारक भी संस्कृत व्यक्ति हैं । इस बात से आप कहाँ तक सहमत हैं - स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर :

(ग) बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की ऐसी दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिन्होंने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया है।

उत्तर :
